



**PROFESSIONAL  
EXAMINATION BOARD  
Middle School Teacher  
Eligibility Test - 2018  
9th Mar 2019 02:30 PM**

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

**1) Which theory laid the foundations for behaviorism? / किस सिद्धांत ने व्यवहारवाद की नींव रखी?**

1. Functionalism / प्रकार्यवाद (फंक्शनलिज्म)
2. Gestalt / गेस्टॉल्ट
3. Connectionism / संयोजनवाद (कनेक्टीविज्म)
4. Structuralism / संरचनावाद

**Correct Answer :-**

- Connectionism / संयोजनवाद (कनेक्टीविज्म)

**2) Vygotsky's work serves as foundation for researchers in \_\_\_\_\_ / वाइगोत्सकी का काम \_\_\_\_\_ में शोधकर्ताओं के लिए नींव का काम करता है।**

1. cognitive development / संज्ञानात्मक विकास
2. pedagogical skills / शैक्षणिक कौशल
3. emotional intelligence / भावनात्मक बुद्धि
4. reflective practices / चिंतनशील अभ्यासों

**Correct Answer :-**

- cognitive development / संज्ञानात्मक विकास

**3) Which of the following is the most appropriate approach for conceptual learning? / निम्नलिखित में से वैचारिक अधिगम के लिए सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण क्या है?**

1. Deep learning approach / गहन अधिगम दृष्टिकोण
2. Surface learning approach / पृष्ठ अधिगम दृष्टिकोण

3. Strategic learning approach/ सामरिक अधिगम दृष्टिकोण
4. Memory based learning approach/ स्मृति आधारित अधिगम दृष्टिकोण

**Correct Answer :-**

- Deep learning approach / गहन अधिगम दृष्टिकोण

**4) On what is based the need for teaching philosophy of education? / शिक्षा के शिक्षण दर्शनशास्त्र की आवश्यकता किस पर आधारित है?**

1. All pupils are not alike / सभी शिष्य एक जैसे नहीं होते।
2. Different systems of education found in different countries / अलग-अलग देशों में अलग-अलग शिक्षण प्रणालियाँ देखी जाती हैं।
3. Different philosophies expressed different points of view on every aspect of education / विभिन्न दर्शनशास्त्रों ने शिक्षा के हर पहलू पर अलग-अलग दृष्टिकोण व्यक्त किए।
4. Different ways of teaching-learning / शिक्षण-अधिगम के विभिन्न तरीके।

**Correct Answer :-**

- Different philosophies expressed different points of view on every aspect of education / विभिन्न दर्शनशास्त्रों ने शिक्षा के हर पहलू पर अलग-अलग दृष्टिकोण व्यक्त किए।

**5) OCD does not affect which of the following cognitive constructions?/ ओसीडी निम्नलिखित संज्ञानात्मक निर्माणों में से किसे प्रभावित नहीं करता है?**

1. Believes about inflated responsibility/ अतिरिक्त उत्तरदायित्व के प्रति विश्वास
2. Underestimation of personal ability/ व्यक्तिगत क्षमता को कम आंकना
3. Intolerance of uncertainty / अनिश्चितता की असहिष्णुता
4. Control of thoughts/ विचारों पर नियंत्रण

**Correct Answer :-**

- Control of thoughts/ विचारों पर नियंत्रण

**6) Emotional development is part of \_\_\_\_\_. / भावनात्मक विकास \_\_\_\_\_ का हिस्सा है।**

1. Motor development / क्रियात्मक (मोटर) विकास
2. Cognitive development / संज्ञानात्मक विकास
3. Psychosocial development / मनोसामाजिक विकास

4. Sensory development / संवेदी (सेंसरी) विकास

**Correct Answer :-**

- Psychosocial development / मनोसामाजिक विकास

**7) A child has been bullied in the bus every day on the way to school. Now, when he hears the sound of any bus approaching, he begins to panic. What principle of learning explains this behaviour? / एक बच्चे को स्कूल जाते हुए हर रोज तंग किया जाता है। अब, जब भी वह किसी बस के पास आने की आवाज़ सुनता है, तो वह घबराने लगता है। अधिगम का कौन सा सिद्धांत इस व्यवहार की व्याख्या करता है?**

1. Reinforcement / पुनर्बलन
2. Punishment / दंड
3. Stimulus generalisation / उद्दीपक सामान्यीकरण
4. Stimulus discrimination / उद्दीपक विभेदीकरण

**Correct Answer :-**

- Stimulus generalisation / उद्दीपक सामान्यीकरण

**8) A child is motivated to jump from the first floor window to the ground because it gives her a thrill. What motivation theory best describes this kind of motivation? / एक बच्चा पहली मंजिल की खिड़की से जमीन पर कूदने के लिए प्रेरित होता है, क्योंकि यह उसे रोमांच देता है। किस प्रकार के प्रेरणा सिद्धांत इस प्रकार की प्रेरणा का सबसे अच्छा वर्णन करते हैं?**

1. Arousal theory / प्रोद्दीपन सिद्धांत (अराउजल थ्योरी)
2. Incentive theory / प्रोत्साहन सिद्धांत
3. Drive theory / ड्राइव सिद्धांत
4. Instinct theory / वृत्ति सिद्धांत

**Correct Answer :-**

- Arousal theory / प्रोद्दीपन सिद्धांत (अराउजल थ्योरी)

**9) Which of the following sentence is TRUE in the context of guidance and counselling in school? / निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य, स्कूल में मार्गदर्शन और परामर्श के संदर्भ में सही है?**

1. Talking about my problems, in counselling or otherwise, isn't going to help. / काउंसलिंग या अन्य में मेरी समस्याओं के बारे में बात करने से भी कोई मदद नहीं मिल रही है।
2. Counselling takes only one sitting to be effective. / परामर्शदाता प्रभावी होने के लिये केवल 1 ही बैठक (सीटिंग) करता है।

3. Helps in working through personal problems that may affect academics or relationships. / व्यक्तिगत समस्याओं के माध्यम से काम करने में मदद करता है जो शिक्षाविदों या रिश्तों को प्रभावित कर सकता है।
4. Students get counselling only because there is a counselor in school. / छात्रों को केवल इसलिए परामर्श मिलता है क्योंकि विद्यालय में परामर्शदाता है।

**Correct Answer :-**

- Helps in working through personal problems that may affect academics or relationships. / व्यक्तिगत समस्याओं के माध्यम से काम करने में मदद करता है जो शिक्षाविदों या रिश्तों को प्रभावित कर सकता है।

**10) Which of the following provides excellent resources to explore? / निम्नलिखित में से कौन सा पता लगाने (एक्सप्लोर करने) के लिए उत्कृष्ट संसाधन प्रदान करता है?**

1. LCD projector / एलसीडी प्रोजेक्टर
2. Internet / इंटरनेट
3. Interactive smart board / इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड
4. Language Lab / लैंग्वेज लैब

**Correct Answer :-**

- Internet / इंटरनेट

**11) Which memory is connected with episodes and events? / प्रसंग और घटनाओं के साथ कौन सी स्मृति जुड़ी होती है?**

1. Long-term / दीर्घावधि
2. Episodic / प्रासंगिक स्मृति (एपिसोडिक)
3. Semantic / अर्थ स्मृति (सीमेंटिक)
4. Short-term / अल्पावधि

**Correct Answer :-**

- Episodic / प्रासंगिक स्मृति (एपिसोडिक)

**12) The type of personality called 'Asthenic' was introduced by / 'स्थेनिक' नामक व्यक्तित्व किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था:**

1. Freud / फ्रायड
2. Sheldon / शेल्डन

3. Kretschmer / क्रेशमर

4. Jung / युंग

**Correct Answer :-**

- Kretschmer / क्रेशमर

**13) The 3 primary laws of Thorndike's theory are: / थार्नडाइक के सिद्धांत के 3 प्राथमिक नियम हैं:**

1. law of readiness, law of exercise, law of effect / तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, प्रभाव का नियम
2. law of intensity, law of analogy, law of assimilation / तीव्रता का नियम, सादृश्य का नियम, आत्मसातकरण का नियम
3. law of action, law of experience, law of result / कार्य का नियम, अनुभव का नियम, परिणाम का नियम
4. law of use, law of practice, law of disuse / प्रयोग का नियम, अभ्यास का नियम, अनुपयोग का नियम

**Correct Answer :-**

- law of readiness, law of exercise, law of effect / तत्परता का नियम, अभ्यास का नियम, प्रभाव का नियम

**14) Minnesota Multiphasic Personality Inventory (MMPI-2) has / मिनेसोटा मल्टीफेज़िक पर्सनलटी इन्वेंटरी (एमएमपीआई-2) में निम्न है:**

1. Above 400 items / 400 आइटम से अधिक
2. Above 500 items / 500 आइटम से अधिक
3. Below 500 items / 500 आइटम से कम
4. Below 300 items / 300 आइटम से कम

**Correct Answer :-**

- Above 500 items / 500 आइटम से अधिक

**15) In which of Piaget's substages of sensorimotor stage to children repeat pleasurable actions that first occurred by chance? / पियाजे की संवेदात्मक गामक अवस्था (संवेदी पेशीय अवस्था) की किस उपअवस्था में बच्चे आनंददायक कार्यों को दोहराते हैं जो पहली बार संयोग से हुए थे?**

1. Primary circular reactions / प्राथमिक वृत्तीय अनुक्रियाएं

2. Secondary circular reactions / गौण वृत्तीय अनुक्रियाएं
3. Use of reflexes / सहज क्रियाओं का प्रयोग
4. Mental combinations / मानसिक सम्मिश्रण

**Correct Answer :-**

- Primary circular reactions / प्राथमिक वृत्तीय अनुक्रियाएं

**16) What have the children developed when they are aware of their own mental processes? / बच्चे अपने में क्या विकसित करते हैं जब वह अपनी मानसिक प्रक्रियाओं से अवगत होते हैं?**

1. Metalinguistic abilities / अधिभाषाई क्षमताएं (मेटालिंग्वीस्टिक एबीलिटी)
2. Metacognition / अधिसंज्ञान (मेटाकॉग्नीशन)
3. Meta-awareness / अधिजागरूकता (मेटा-अवेयरनेस)
4. Metamorphosis / कायान्तरण (मेटामॉर्फसिस)

**Correct Answer :-**

- Metacognition / अधिसंज्ञान (मेटाकॉग्नीशन)

**17) What is the smallest unit in the writing system? / लेखन प्रणाली में सबसे छोटी इकाई क्या है?**

1. Nouns / संज्ञा
2. Verbs / क्रिया
3. Phonemes / स्वनिम (फोनेम)
4. Graphemes / वर्णिम (ग्राफेम्स)

**Correct Answer :-**

- Graphemes / वर्णिम (ग्राफेम्स)

**18) What cognitive principle does a child possess when she understands that the amount of clay in a 2cm ball remains the same whether the ball is flattened or made into a stick? / एक बच्चा कौन सा संज्ञानात्मक सिद्धांत प्राप्त कर लेता है, जब वह इसे समझने में सक्षम होता है कि 2 सेमी वाले एक गेंद में मिट्टी (क्ले) की मात्रा समान रहती है चाहे गेंद को चपटा किया जाए या उसे छड़ी के रूप में ढाला जाए?**

1. Conservation / संरक्षण
2. Volume / आयतन
3. Hypothesis / परिकल्पना
4. Irreversibility / अनुत्क्रमणीयता

**Correct Answer :-**

- Conservation / संरक्षण

**19) What are the characteristics of scientific inquiry?/ वैज्ञानिक जाँच की विशेषताएँ क्या होती हैं?**

1. All of the above/ उपरोक्त सभी
2. Learner engages in scientifically oriented questions only./ शिक्षार्थी वैज्ञानिक रूप से केवल उन्मुख प्रश्नों में संलग्न होते हैं।
3. Learner gives priority to evidence only. / शिक्षार्थी केवल साक्ष्य को प्राथमिकता देते हैं।
4. Learner formulates explanation from evidence only./ शिक्षार्थी केवल साक्ष्य से स्पष्टीकरण तैयार करता है।

**Correct Answer :-**

- All of the above/ उपरोक्त सभी

**20) Children who come from homes with good parent- child relationships tend to be \_\_\_\_\_. / जिन घरों में माता-पिता और बच्चों का संबंध अच्छा होता है वो बच्चे \_\_\_\_\_ होते हैं।**

1. Intolerant of others / दूसरों के प्रति असहिष्णु
2. Impulsive / आवेगी (इम्पल्सिव)
3. Posses weak intellectual control / कमजोर बौद्धिक नियंत्रण प्राप्त
4. Successful in social participation / सामाजिक भागीदारी में सफल

**Correct Answer :-**

- Successful in social participation / सामाजिक भागीदारी में सफल

**21) Kohler's insightful learning proved that learning is \_\_\_\_\_. / कोहलर के अंतर्दृष्टि अधिगम ने सिद्ध किया कि अधिगम \_\_\_\_\_ है।**

1. an autonomous random activity / एक स्वायत्त यादृच्छिक गतिविधि

2. an event of trial an error / प्रयत्न और त्रुटि की एक घटना
3. a new perception of the total situation / संपूर्ण स्थिति की एक नई अनुभूति
4. a connection between stimulus and response / उत्तेजना और प्रतिक्रिया के बीच एक संबंध

**Correct Answer :-**

- a new perception of the total situation / संपूर्ण स्थिति की एक नई अनुभूति

**22) Vygotsky places considerably more emphasis on \_\_\_\_\_ factors contributing to cognitive development./ वाइगोत्सकी ने \_\_\_\_\_ कारकों पर बहुत अधिक जोर दिया है जो संज्ञानात्मक विकास में योगदान करते हैं।**

1. Personal / व्यक्तिगत
2. Social / सामाजिक
3. Emotional/ भावनात्मक
4. Cognitive/ संज्ञानात्मक

**Correct Answer :-**

- Social / सामाजिक

**23) According to Piaget, what method of processing information helps in the creation of schemas? / पियाजे के अनुसार, सूचना प्रक्रियाकरण की कौन-सी विधि अन्विति योजना (स्कीमा) के निर्माण में मदद करती है?**

1. Questioning / पूछताछ (क्वेशनिंग)
2. Motivation / अभिप्रेरणा (मोटिवेशन)
3. Deliberation / विचार विमर्श (डेलिबिरेशन)
4. Accommodation / समंजन (एकोमोडेशन)

**Correct Answer :-**

- Accommodation / समंजन (एकोमोडेशन)

**24) Maslow's five-stage model is in the shape of a / मासलो के पांच-अवस्था मॉडल एक \_\_\_\_\_ के आकार में है।**

1. Pyramid / पिरामिड
2. Square / वर्ग



3. Rectangle / आयत

4. Circle / वृत्त

**Correct Answer :-**

- Pyramid / पिरामिड

**25) Ankit cheats on his exams and ends up failing in his final assessment. This can be attributed to his: / अंकित परीक्षा में चोरी करता है और अपने अंतिम आकलन में असफल हो जाता है। इसके लिए उसके इस कारण को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है:**

1. Lack of parental involvement / माता-पिता के सहभागिता का अभाव
2. Poor reading comprehension / मंद पठन की अवधारणा
3. Lack of self-esteem / आत्म-सम्मान की कमी
4. Dependence on others / दूसरों पर निर्भरता

**Correct Answer :-**

- Dependence on others / दूसरों पर निर्भरता

**26) According to the \_\_\_\_\_ theory, men and women are different and unchangeable due to their intrinsic differences between the sexes. / \_\_\_\_\_ सिद्धांत के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं के लिंगों के बीच आंतरिक अंतर के कारण अलग और अपरिवर्तनीय हैं।**

1. Social constructionism / सामाजिक निर्माणवाद (सोशल कंस्ट्रक्शनिज्म)
2. Intersectionality / अंतरानुभागीय (इंटरसेक्शनलिटी)
3. Gender Essentialism / लिंग अनिवार्यता
4. Gender performativity / लिंग प्रदर्शन

**Correct Answer :-**

- Gender Essentialism / लिंग अनिवार्यता

**27) The learning style that is greatly associated with activity is: / गतिविधि के साथ बहुत कुछ सीखने की शैली है:**

1. Visual / दृश्य
2. Verbal / मौखिक
3. Kinesthetic / काइनस्थेटिक
4. Auditory / श्रवण

**Correct Answer :-**

- Kinesthetic / काइन्स्थेटिक

**28) Which of the following is not true about constructive teaching approaches? / निम्नलिखित में से कौन रचनात्मक शिक्षण दृष्टिकोण के बारे में सत्य नहीं है?**

1. It allows the teacher to focus on important and relevant information. / यह शिक्षक को महत्वपूर्ण और प्रासंगिक जानकारी पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है
2. Students learn to value the opinions of each other. / छात्र एक दूसरे के मत को महत्व देना सीखते हैं।
3. It helps to customize the curriculum to each student. / यह प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम को रूचि के अनुसार बनाने में मदद करता है।
4. Discussions on the thoughts and ideas of a student are used. / एक छात्र के सोच और विचारों पर चर्चा का उपयोग किया जाता है।

**Correct Answer :-**

- It helps to customize the curriculum to each student. / यह प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम को रूचि के अनुसार बनाने में मदद करता है।

**29) Erikson, a follower of Freud's synthesized both Freud's and his own theories to create \_\_\_\_\_ stages of human development, which span from birth to death. / फ्रायड के अनुयायी एरिकसन ने, फ्रायड और उसके स्वयं के सिद्धांतों को मानव विकास के \_\_\_\_\_ अवस्थाओं को बनाने के लिए संश्लेषित किया, जो जन्म से मृत्यु तक होती हैं।**

1. Ethological / इथोलॉजिकल
2. Epistemological / ज्ञानमीमांसीय
3. Psychosocial / मनोसामाजिक
4. Conventional/ परम्परागत

**Correct Answer :-**

- Psychosocial / मनोसामाजिक

**30) Children should start developing cognitive abilities before they can experience \_\_\_\_\_ का अनुभव कर सकने से पहले, संज्ञानात्मक क्षमताओं को विकसित करना शुरू करना चाहिए।**

1. Fear / डर

2. Embarrassment / झिझक

3. Anger / गुस्सा

4. Disgust / घृणा

**Correct Answer :-**

• Embarrassment / झिझक

Topic:- General Sanskrit(L1GS)

1) एषोऽब्रवीत् इत्यत्र सन्धिविच्छेदं कुरुत ।

1. एषः + अब्रवीत् ।

2. एषः + ब्रवीत् ।

3. एषो + अब्रवीत् ।

4. एष + अब्रवीत् ।

**Correct Answer :-**

• एषः + अब्रवीत् ।

2) 'अद्य' इति कीदृशं पदम् ?

1. पुंलिङ्गम् ।

2. स्त्रीलिङ्गम् ।

3. नपुंसकम् ।

4. अव्ययम् ।

Correct Answer :-

• अव्ययम् ।

3) ४.१५ इति घण्टाम् अक्षरैः लिखत ।

1. पादोनचतुर्वादनम् ।

2. पादचातुर्वादनम् ।

3. सपादचतुर्वादनम् ।

4. सपदचतुर्वादनम् ।

Correct Answer :-

• सपादचतुर्वादनम् ।

4) सम्पदोः इति कस्यां विभक्तौ वर्तते ?

1. पञ्चमी ।

2. वतुर्थी ।

3. षष्ठी ।

4. सप्तमी ।

Correct Answer :-

• सप्तमी ।

5) प्रणीय इत्यत्र प्रत्ययः कः ?

1. क्त्वा ।

2. ल्यप् ।

3. ण्यत् ।

4. क्त्वः ।

Correct Answer :-

• ल्यप् ।

6) ३०१९ इति संख्यां शब्दैः लिखत ।

1. एकोनविशत्युत्तरत्रिसहस्रम् ।

2. एकविंशत्युत्तरत्रिसहस्रम् ।

3. एकोनविंशत्युत्तरत्रिसहस्रम् ।

4. एकोनविंशत्युत्तरसहस्रम् ।

Correct Answer :-

• एकोनविंशत्युत्तरत्रिसहस्रम् ।

7) सप्तशत् इत्यत्र पदं शोधयत ।

1. सप्तविंशतः ।

2. सप्तविंशति ।

3. सप्तविंशतिः ।

4. सप्तविंशतिः ।

Correct Answer :-

• सप्तविंशतिः ।

8) वन्देमहि इत्यस्य द्विवचनं किम् ?

1. वन्देवहि ।

2. वन्दे ।

3. वन्दिरे ।

4. वन्दते ।

Correct Answer :-

• वन्देवहि ।

9) अभूत इति कस्मिन् पुरुषे अस्ति ?

1. प्रथमे ।

2. प्रथममध्यमे ।

3. उत्तमे ।

4. मध्यमे ।

Correct Answer :-

• मध्यमे ।

10) गौः किं भक्षयति ?

1. धान्यम् ।

2. मांसम् ।

3. तृणम् ।

4. फलम् ।

Correct Answer :-

• तृणम् ।

11) आश्विनकार्तिकौ कस्याम् ऋतौ स्तः ।

1. शिशिर-ऋतौ ।

2. वसन्त-ऋतौ ।

3. शरदृतौ ।

4. वर्ष-ऋतौ ।

Correct Answer :-

• शरदृतौ ।

12) तवर्गपञ्चकं किम् ?

1. त थ ज झ न ।
2. त थ द ध न ।
3. त छ थ द म ।
4. च छ ज झ ञ ।

Correct Answer :-

. त थ द ध न ।

13) धी शब्दस्य प्रथमैकवचनं किम् ?

1. धि ।
2. धः ।
3. धिः ।
4. धीः ।

Correct Answer :-

. धीः ।

14) एक-शब्दार्थः कः ?

1. केसरः ।
2. केदारः ।



3. केसरिः ।

4. केवलः ।

Correct Answer :-

. केवलः ।

15) कुरोः पुत्रः कः ?

1. कौरवः ।

2. कर्णः ।

3. कुम्भकर्णः ।

4. कामन्दकिः ।

Correct Answer :-

. कौरवः ।

16) सर्वशब्दस्य चतुर्थी-विभक्तेः रूपं किम् ?

1. सर्वस्मै ।

2. सर्वस्य ।

3. सर्वस्मिन् ।

4. सर्वस्मात् ।

Correct Answer :-

. सर्वस्मै ।

17) दास्यति इत्यस्य लट् लकारे रूपं किम् ?

1. अददात् ।

2. ददाति ।

3. ददन्तु ।

4. ददतु ।

Correct Answer :-

. ददाति ।

18) पुत्रीयति इत्यस्य अर्थः कः ?

1. पुत्रमात्मनः इच्छति ।

2. पुत्रं कामयति ।

3. पुत्रकामेष्टिं करोति ।

4. पौत्रमात्मनः इच्छति ।

Correct Answer :-

. पुत्रमात्मनः इच्छति ।

19)

‘त्वा’ पदस्य मूलरूपं किम् ?

1. युष्मद् ।
2. अस्मद् ।
3. तद् ।
4. एतद् ।

Correct Answer :-

• युष्मद् ।

20)

विभागे का विभक्तिः प्रयुज्यते ?

1. चतुर्थी ।
2. तृतीया ।
3. पञ्चमी ।
4. सप्तमी ।

Correct Answer :-

• पञ्चमी ।

21)

चर् धातोः लङ्-प्रथमपुरुष-बहुवचनरूपं किम् ?

1. विचरन् ।

2. अचारयन् ।

3. अचरन् ।

4. अचरन ।

Correct Answer :-

• अचरन् ।

22) व्यासपर्यायः कः ?

1. ऊर्ध्वः ।

2. संक्षेपः ।

3. अधः ।

4. विस्तारः ।

Correct Answer :-

• विस्तारः ।

23) पश्यति इत्यस्य धातुः कः ?

1. पश् ।

2. पाश् ।

3. दृश् ।

4. पुश् ।

Correct Answer :-

. दृश् ।

24) चतुर्मुखः इत्यस्य कः समासः ?

1. तत्पुरुषः ।

2. द्वन्द्वः ।

3. कर्मधारयः ।

4. बहुव्रीहिः ।

Correct Answer :-

. बहुव्रीहिः ।

25) कुम्भकारः किं करोति ?

1. घटम् ।

2. सुवर्णाभरणम् ।

3. आभरणम् ।

4. घण्टाम् ।

Correct Answer :-

. घटम् ।

26)

हस्ते कति अङ्गुलयः सन्ति ?

1. सप्त ।
2. पञ्च ।
3. अष्टौ ।
4. षट् ।

Correct Answer :-

• पञ्च ।

27) मन्तव्यम् इति पदं पृथक् कुरुत ।

1. मनत व्य ।
2. मन तव्य ।
3. मन्त तव्य ।
4. मनु तव्य ।

Correct Answer :-

• मनु तव्य ।

28) त्यज् धातोः क्त्वा प्रत्यये रूपं किम् ?

1. यक्त्वा ।
2. त्यक्त्वा ।

3. तक्त्वा ।

4. त्याक्त्वा ।

**Correct Answer :-**

• त्यक्त्वा ।

29) मन्त्रोपासकः इत्यस्य सन्धिः कः ?

1. रेफादेशः ।

2. ष्टुत्वः ।

3. जश्त्वः ।

4. गुणः ।

**Correct Answer :-**

• गुणः ।

30) 'पर्वाणि' इत्यस्य वर्णान् पृथक् पृथक् लिखत ।

1. प् अ र् व् आ ण् इ ।

2. प अ र व आ ण इ ।

3. प् अ र् अ व् आ ण् इ ।

4. प र् वा णि ।

**Correct Answer :-**

# प अ र् व् आ ण् इ ।

Topic:- General Hindi(L2GH)

1) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हैउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महुँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - राजा बलि का राज किसने छीन लिया?

1. जालंधर जोगी ने
2. वामन ने
3. गोपिचंद राजा ने
4. नागमती ने

**Correct Answer :-**

- वामन ने

2) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हैउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥



खन एक आव पेट मँ ! साँसा । खनहिँ जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिँ, सीचहिँ चोला । पहर एक समुजहिँ मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न – नागमती चित्तौड़ के पथ की ओर क्यों देख रही है?**

1. उस ओर वर्षा हो रही है।
2. वह चित्तौड़ जाना चाहती है।
3. वहाँ उसके माता-पिता हैं।
4. उसका पति गया और लौटकर नहीं आया।

**Correct Answer :-**

- उसका पति गया और लौटकर नहीं आया।

**3)** नागमती चित्तौड़-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौँ हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिँ जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिँ किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौँ भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भीजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिँ सब नारी ॥  
खन एक आव पेट मँ ! साँसा । खनहिँ जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिँ, सीचहिँ चोला । पहर एक समुजहिँ मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न – दिए गए काव्यांश में कौन-सा रस है?**

1. वात्सल्य रस
2. संयोग श्रृंगार रस
3. वियोग श्रृंगार रस
4. वीर रस

**Correct Answer :-**

- वियोग श्रृंगार रस

**4)**

नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - प्रस्तुत पंक्तियों में आए शब्द 'खन' का अर्थ है?

1. उत्कर्ष
2. क्षार
3. खनन
4. क्षण

**Correct Answer :-**

- क्षण

5) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - विरहिनी के प्राण किसके साथ आ-जा रहे हैं?

1. पवन
2. श्वास
3. प्रिय
4. सुआ

**Correct Answer :-**

- श्वास

6) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंदू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्नहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भीजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - विरहिनी के अनुसार उसका पति किसके वश में जाकर उसे छोड़कर चला गया है ?

1. नारायण के
2. नागर स्त्री के
3. जालंधर जोगी के
4. कोए के

**Correct Answer :-**

- नागर स्त्री के

7) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंदू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥

लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - विरहिनी के अनुसार सुआ उसके प्रिय के साथ और क्या ले गया?

1. प्रिय का नाम
2. उसके गहने
3. राज्य
4. धन-दौलत

**Correct Answer :-**

- प्रिय का नाम

**8)** नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंदू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - विरहिनी के मुख से निकले शब्दों के समझने में कितना समय लग रहा है?

1. दो दिन
2. आधी रात
3. एक घंटा

#### 4. एक पहर

#### Correct Answer :-

- एक पहर

9) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महुँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - सारस की जोड़ी को किसने तोड़ दिया?

1. जलंधर जोगी ने
2. राजा ने
3. बहेलिया ने
4. गोपिचंद ने

#### Correct Answer :-

- बहेलिया ने

10) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥

सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - नागमती को कौन-सा बाण लगा है?

1. चित्तौड़ का
2. जोग का
3. विरह का
4. पवन का

**Correct Answer :-**

- विरह का

**11)** नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्रू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्नहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - नागमती के पति को कौन लेकर चला गया?

1. शत्रु सेना
2. सुंदर स्त्री
3. चित्तौड़ का राजा
4. सुआ

**Correct Answer :-**

- सुआ

12) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्र ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - “बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली” पंक्ति में कौन-सा भाव है?

1. जुगुप्सा
2. शांत
3. वात्सल्य
4. रौद्र

**Correct Answer :-**

- जुगुप्सा

13) नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंद्र ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - पंक्ति “भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा” में ‘बावन’ का अर्थ है?

1. ब्राह्मण दाता
2. बावन अंक
3. बावन वर्ष
4. वामन अवतार

**Correct Answer :-**

- वामन अवतार

**14)** नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंदू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥  
लेइगा कृस्नहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1 ॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै ‘पिउ पीऊ’ ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भीजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कौन हर रोज पिउ पिउ बोल रहा है ?

1. जलंधर जोगी
2. पपिहा
3. सारस जोड़ी
4. नागमती

**Correct Answer :-**

- पपिहा

**15)** नागमती चितउर-पथ हेरा । पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा ॥  
नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा ॥  
सुआ काल होइ लेइगा पीऊ । पिउ नहिं जात, जात बरु जीऊ ॥  
भएउ नरायन बावन करा । राज करत राजा बलि छरा ॥  
करन पास लीन्हेउ कै छंदू । बिप्र रूप धरि झिलमिल इंदू ॥  
मानत भोग गोपिचंद भोगी । लेइ अपसवा जलंधर जोगी ॥



लेइगा कृस्रहि गरुड अलोपी । कठिन बिछोह, जियहिं किमि गोपी? ॥  
सारस जोरी कौन हरि, मारि बियाधा लीन्ह ? ।  
झुरि झुरि पींजर हौं भई , बिरह काल मोहि दीन्ह ॥1॥

पिउ-बियोग अस बाउर जीऊ । पपिहा निति बोलै 'पिउ पीऊ' ॥  
अधिक काम दाधै सो रामा । हरि लेइ सुबा गएउ पिउ नामा ॥  
बिरह बान तस लाग न डोली । रकत पसीज, भींजि गइ चोली ॥  
सूखा हिया, हार भा भारी । हरे हरे प्रान तजहिं सब नारी ॥  
खन एक आव पेट महँ ! साँसा । खनहिं जाइ जिउ, होइ निरासा ॥  
पवन डोलावहिं, सीचहिं चोला । पहर एक समुजहिं मुख-बोला ॥  
प्रान पयान होत को राखा ? । को सुनाव पीतम कै भाखा ? ॥

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - प्रस्तुत पद्यांश में आयी पंक्ति “नागर काहु नारि बस परा । तेइ मोर पिउ मोसौं हरा” में ‘नागर’ से क्या तात्पर्य है ?

1. दूर स्थित
2. चतुर
3. नई-नवेली
4. सुंदर

**Correct Answer :-**

- चतुर

**16)** बीसवीं सदी के आरंभ में ‘सरस्वती’ का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’ पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - सरकारी कागजपत्र अधिकांश किस भाषा में हुआ करते थे?

1. फारसी
2. संस्कृत
3. उर्दू
4. हिंदी

**Correct Answer :-**

- उर्दू

**17)**

बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - अंग्रेज सरकार की दृष्टि में हिंदी किस प्रकार की भाषा थी ?

1. कृत्रिम
2. काल्पनिक
3. उपेक्षित
4. पंडिताऊ

**Correct Answer :-**

- उपेक्षित

**18)** बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - लेखक ने संस्कृत पढ़ना किस शहर में सीखा?

1. काशी
2. बनारस
3. भोपाल
4. कालड़ी

**Correct Answer :-**

- बनारस

**19)** बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम

नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - 'माहात्म्य' का अर्थ क्या होता है?

1. महिमा
2. अवगुण
3. व्याख्या
4. प्रगति

**Correct Answer :-**

- महिमा

20) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - गद्यांश के अनुसार सरकारी नौकरियों के लिए कौन-सी भाषा पढ़ना अनिवार्य था?

1. फारसी
2. संस्कृत
3. उर्दू
4. अंग्रेजी

**Correct Answer :-**

- उर्दू

21) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - किस सदी में 'सरस्वती' का प्रकाशन आरंभ हुआ?

1. बीसवीं सदी के अंत में
2. बीसवीं सदी के मध्याह्न में
3. बीसवीं सदी की शुरुआत में
4. इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में

**Correct Answer :-**

- बीसवीं सदी की शुरुआत में

22) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - कौन निजामाबाद तहसील (मिडिल) स्कूल में प्रधानाध्यापक थे?

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. मैथिलीशरण गुप्त
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

**Correct Answer :-**

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

23) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - सरस्वती का प्रकाशन हिंदी के लिए किस प्रकार की घटना थी?

1. असाधारण

2. जटिल
3. अनिमंत्रित
4. सामान्य

**Correct Answer :-**

- असाधारण

**24)** बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न - अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म किस कस्बे में हुआ था?**

1. निजामाबाद
2. आजमगढ़
3. मेदीनापुर
4. लमही

**Correct Answer :-**

- निजामाबाद

**25)** बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न - लेखक को स्कूल से निकलने के बाद क्या मालूम हुआ?**

1. उर्दू भाषा
2. प्रकाशन
3. सरस्वती का माहात्म्य
4. हिंदी की महत्ता

**Correct Answer :-**

- सरस्वती का माहात्म्य

26) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न - लेखक के अनुसार हिन्दी अपनी भाषा कब हो जाती है?**

1. संस्कृत और हिंदी पढ़ने पर
2. संस्कृत के साथ उर्दू पढ़ने पर
3. संस्कृत के साथ लोक-भाषा पढ़ने पर
4. अंग्रेजी के साथ संस्कृत पढ़ने पर

**Correct Answer :-**

- संस्कृत के साथ उर्दू पढ़ने पर

27) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

**प्रश्न - सरस्वती का प्रकाशन हिंदी के लिए असाधारण घटना थी यह कब स्पष्ट हुआ ?**

1. समय के साथ
2. लेखक के बचपन में
3. वर्षों बाद
4. सरस्वती के बंद होने के बाद

**Correct Answer :-**

- समय के साथ

28) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - अंश का विलोम क्या होगा?

1. पूर्ण
2. भाग
3. अंत
4. आदि

**Correct Answer :-**

- पूर्ण

29) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - लेखक ने किस शहर में सरस्वती माँगकर पढ़ी थी ?

1. बनारस
2. इलाहाबाद
3. दिल्ली
4. लखनऊ

**Correct Answer :-**

- बनारस

30) बीसवीं सदी के आरंभ में 'सरस्वती' का प्रकाशन हिंदी के लिए एक असाधारण घटना थी, जिसका पता उस समय नहीं लगा, पर समय के साथ स्पष्ट हो गया। सरस्वती का नाम पहिले पहल मैंने आजमगढ़ जिले के निजामाबाद कस्बे में सुना था। निजामाबाद कस्बा वही है, जहाँ पण्डित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' पैदा हुआ थे, और वहाँ के तहसील (मिडिल) स्कूल के प्रधानाध्यापक रहे। यह ख्याल नहीं कि नाम के साथ सरस्वती का वहाँ दर्शन भी मिला। सरस्वती का माहात्म्य स्कूल से निकलने के बाद मालूम हुआ। 1910 ई.में बनारस में पढ़ते समय किसी के पास सरस्वती देखी और

माँगकर पढ़ा भी। मालूम नहीं उसका कितना अंश मुझे समझ में आता था। मैं मूलतः उर्दू का विद्यार्थी था। हिंदी लोगों के कहे अनुसार बिना वर्णमाला सीखे अपने ही आ गई। अंग्रेज सरकार की नज़र में हिंदी एक उपेक्षित भाषा थी। सरकारी नौकरियों के लिए उर्दू पढ़ना अनिवार्य था। सरकारी कागजपत्र अधिकांश उर्दू में हुआ करते थे। इसी पक्षपात के कारण मुझे उर्दू पढ़ाई गई। बनारस में संस्कृत पढ़ने लगा था। उर्दू के साथ अगर संस्कृत भी पढ़े, तो हिंदी अपनी भाषा हो जाती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइये:

प्रश्न - लेखक मूलतः किस भाषा के विद्यार्थी हैं?

1. संस्कृत
2. उर्दू
3. भोजपुरी
4. हिंदी

**Correct Answer :-**

- उर्दू

Topic:- HINDI (HIN)

**1) जो बच्चा जितना जल्दी बोलना सीखता है वह उतना ही जल्दी -**

1. पढ़ता है
2. लिखता है
3. हँसता है
4. सोचता है

**Correct Answer :-**

- सोचता है

**2) इनमें से भाषा शिक्षण की चुनौतियाँ हैं -**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल व्याकरण से सम्बंधित चुनौतियाँ
3. केवल पठन से सम्बंधित चुनौतियाँ
4. केवल लेखन से सम्बंधित चुनौतियाँ

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**3) इनमें से किस छन्द के प्रत्येक चरण में सोलह 16-15 के विराम से 31 वर्ण होते हैं। कहीं-कहीं 8,8,8, और सात वर्णों पर भी यति का विधान माना जाता है। इसका अंतिम वर्ण गुरु होता है।**



1. छप्पय छन्द
2. सवैया छन्द
3. घनाक्षरी छन्द
4. कुण्डलिया छन्द

**Correct Answer :-**

- घनाक्षरी छन्द

**4) अर्ध-सरकारी पत्र से क्या तात्पर्य है?**

1. एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया औपचारिक पत्र।
2. एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया अनौपचारिक पत्र।
3. एक व्यक्ति द्वारा सरकारी कार्यालय को लिखा गया पत्र।
4. सरकारी कार्यालय द्वारा निजी कंपनी को लिखा गया पत्र।

**Correct Answer :-**

- एक सरकारी अधिकारी द्वारा दूसरे सरकारी अधिकारी को लिखा गया अनौपचारिक पत्र।

**5) दोहा और रोला छन्द के मिश्रण से कौन सा छन्द बनता है?**

1. छप्पय छन्द
2. घनाक्षरी छन्द
3. कुण्डलिया छन्द
4. कवित्त छन्द

**Correct Answer :-**

- कुण्डलिया छन्द

**6) 'ईर्ष्या तू न गई मेरे मन से' किसके द्वारा लिखित निबंध है?**

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. पदुमलाल पुत्रालाल बख्शी
3. जयशंकर प्रसाद
4. रामधारी सिंह दिनकर

**Correct Answer :-**

- रामधारी सिंह दिनकर

7) 'वह अच्छा आदमी नहीं है।' का विधानवाचक वाक्य निम्नलिखित में से कौन सा है?

1. वह बुरा आदमी है।
2. वह अच्छा आदमी है।
3. वह ही अच्छा आदमी है।
4. वह ही तो अच्छा आदमी है।

**Correct Answer :-**

- वह अच्छा आदमी है।

8) 'चरणदास चोर' किसके द्वारा रचित नाटक है?

1. दुष्यंत कुमार
2. हबीब तनवीर
3. विष्णु प्रभाकर
4. मुद्राराक्षस

**Correct Answer :-**

- हबीब तनवीर

9) 'श्रद्धेय गुरुवर' इस संबोधन के आधार पर यह किसके द्वारा किसे लिखा जा रहा पत्र माना जा सकता है?

1. शिक्षक द्वारा प्राचार्य को
2. एक शिक्षक द्वारा दूसरे शिक्षक को
3. छात्रों/छात्र द्वारा शिक्षक को
4. एक कार्यालय द्वारा दूसरे कार्यालय

**Correct Answer :-**

- छात्रों/छात्र द्वारा शिक्षक को

10) 'किस शैली के अनुसार निबंध में विषय का सरल रीति से विस्तार पूर्वक विवेचन किया जाता है।'

1. व्यास शैली
2. धारा शैली
3. विक्षेप शैली
4. समास शैली

**Correct Answer :-**

- व्यास शैली

**11) 'मेवाती' किस उपभाषा (बोली वर्ग) की बोली है?**

1. बिहारी हिंदी
2. राजस्थानी हिंदी
3. पहाड़ी हिंदी
4. छत्तीसगढ़ी हिंदी

**Correct Answer :-**

- राजस्थानी हिंदी

**12) नीचे दिए गए विकल्पों में से किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा जाता है?**

1. बिहारी
2. विद्यापति
3. मीराबाई
4. अमीर खुसरो

**Correct Answer :-**

- विद्यापति

**13) बिना \_\_\_\_\_ के ज्ञान के संप्रेषण तथा लेखन का विकास संभव नहीं है।**

1. व्याकरण
2. इनमें से कोई नहीं
3. अनुवाद
4. ध्वनियों

**Correct Answer :-**

- व्याकरण

**14) भारतीय डाक का पिन नंबर कितने अंकों का होता है?**

1. ग्यारह
2. आठ
3. छः
4. सोलह

**Correct Answer :-**

- छः

**15) मौखिक अभिव्यक्ति हेतु व्याकरण की आवश्यकता होती है, ताकि:**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल बालक भावों को शुद्ध रूप में व्यक्त कर सके।
3. केवल भाषा संबंधी अभिव्यक्ति का विकास हो सके।
4. केवल स्वरों के आरोह-अवरोह एवं बलाघातों को समझ सके।

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**16) पत्र के अंगों का उचित क्रम है?**

1. सम्बोधन, प्रारंभ, कलेवर, अंत
2. प्रारंभ, सम्बोधन, अंत, कलेवर,
3. प्रारंभ, सम्बोधन, कलेवर, अंत
4. प्रारंभ, अंत, सम्बोधन, कलेवर,

**Correct Answer :-**

- प्रारंभ, सम्बोधन, कलेवर, अंत

**17) सामाजिक अनौपचारिक पत्र में अपने से बड़ों के लिए निम्न में से कौन-सा निवेदन नहीं उपयोग में लाया जाता है?**

1. आपका शिष्य
2. आपका दर्शनाभिलाषी
3. आपका साथी
4. आपका अनुज

**Correct Answer :-**

- आपका साथी

**18) भाषा नियमों द्वारा नियंत्रित \_\_\_\_\_ का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह हमारी सोच को भी निर्मित करती है।**

1. कला
2. संप्रेषण
3. संस्कृति

4. सुंदरता

**Correct Answer :-**

- संप्रेषण

**19) भाषा सीखने के प्रमुख चरण हैं -**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल पढ़ना
3. केवल लिखना
4. केवल समझना

**Correct Answer :-**

- उपरोक्त सभी

**20) भाषा शिक्षण का लक्ष्य है -**

1. अध्ययन अध्यापन का विकास
2. मानवीय संवेदना का विकास
3. भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास
4. अर्थोपार्जन एवं यश प्राप्त करना

**Correct Answer :-**

- भाषा की समझ और अभिव्यक्ति का विकास

**21) भाषा के स्थानीय भेद से प्रयोग भेद में जो अंतर पड़ता है उसे कौन सी भाषा कहते हैं?**

1. अवधी
2. मानक भाषा
3. मुख्य बोली
4. विभाषा

**Correct Answer :-**

- विभाषा

**22) भाषा कौशल का एक प्रकार नहीं है -**

1. संचार
2. लेखन

3. श्रवण

4. वाचन

**Correct Answer :-**

- संचार

**23) भाषा कौशल के कितने चरण हैं -**

1. चार

2. पाँच

3. दो

4. तीन

**Correct Answer :-**

- चार

**24) प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'कफ़न' कब प्रकाशित हुई?**

1. सन् 1936 ई.

2. सन् 1942 ई.

3. सन् 1920 ई.

4. सन् 1947 ई.

**Correct Answer :-**

- सन् 1936 ई.

**25) कौन निम्न में से निबंध का अंग नहीं है?**

1. विस्तार

2. चरित्र-चित्रण

3. भूमिका

4. उपसंहार

**Correct Answer :-**

- चरित्र-चित्रण

**26) विश्व में सबसे अधिक डाक घरों की संख्या किस देश में है?**

1. अमेरिका

2. चीन
3. भारत
4. बांग्लादेश

**Correct Answer :-**

- भारत

**27) अधिगम से तात्पर्य है -**

1. सीखना
2. अर्जित करने से
3. अनुकरण
4. रटकर विषय-वस्तु को याद करने से

**Correct Answer :-**

- सीखना

**28) निम्नलिखित में से कौन-सा तथ्य 'संदेश रासक' के संदर्भ में सही नहीं है?**

1. इसमें युद्धों का जीवंत वर्णन किया गया है।
2. यह एक विरह-काव्य है।
3. यह एक धर्मोत्तर रास ग्रंथ है।
4. यह अब्दुल रहमान द्वारा रचित है।

**Correct Answer :-**

- इसमें युद्धों का जीवंत वर्णन किया गया है।

**29) निम्नलिखित में से कौन भारतन्दु युगीन निबंधकार नहीं है?**

1. प्रताप नारायण मिश्र
2. जयशंकर प्रसाद
3. बदरीनारायण चौधरी
4. बालकृष्ण भट्ट

**Correct Answer :-**

- जयशंकर प्रसाद

**30) निम्नलिखित में से कौन-सी आदिकालीन साहित्य की शाखा नहीं है?**

1. जैन काव्य
2. रासो काव्य
3. रीतिमुक्त काव्य
4. सिद्ध काव्य

**Correct Answer :-**

- रीतिमुक्त काव्य

**31) निम्नलिखित में से किस विद्वान ने अपभ्रंश को 'पुरानी हिंदी' नहीं माना है?**

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
3. रामचन्द्र शुक्ल
4. राहुल सांकृत्यायन

**Correct Answer :-**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी

**32) निम्नलिखित में कौन सा अलंकार है?**

**बावरो, रावरो नाह भवानी।**

**दान दिए बिन देत दिए बिनु, वेड बड़ाई भानी।।**

1. ब्याजस्तुति अलंकार
2. अत्युक्ति अलंकार
3. रूपक अलंकार
4. उपमा अलंकार

**Correct Answer :-**

- ब्याजस्तुति अलंकार

**33) निम्नलिखित में से छात्रों के लिए उपयुक्त 'दृश्य-श्रव्य सामग्री' है -**

1. रेडियो, टेपरिकार्डर
2. मानचित्र, ग्लोब
3. ब्लैक बोर्ड, कंप्यूटर
4. मोबाईल, वीडियो गेम्स

**Correct Answer :-**



- ब्लैक बोर्ड, कंप्यूटर

**34) निम्न वाक्यों में से कौन-सा विधानार्थक वाक्य है?**

1. क्या हमने खाना खाया?
2. शायद हमने खाना खाया।
3. हमने खाना नहीं खाया।
4. हमने खाना खाया।

**Correct Answer :-**

- हमने खाना खाया।

**35) निम्न में से कौन-सा कथन संपादक को लिखे जाने वाले पत्र के संबंध में असत्य है?**

1. यह पत्र, समाचार पत्र के संपादक को पाठक के द्वारा लिखा जाता है।
2. यह पत्र, लोककल्याणकारी योजनाओं के पक्ष में जनसमर्थ का आव्हान करता है।
3. यह पत्र, संपादक के लिए पूर्ण रूप से छापना अनिवार्य नहीं है।
4. यह पत्र, आकार में दीर्घ नहीं होने चाहिए।

**Correct Answer :-**

- यह पत्र, संपादक के लिए पूर्ण रूप से छापना अनिवार्य नहीं है।

**36) निम्न में से कौन-सा कहानी आन्दोलन हिंदी में नहीं हुआ है?**

1. अ-कहानी आन्दोलन
2. नई कहानी आन्दोलन
3. शास्त्रीय कहानी आन्दोलन
4. संचेतना कहानी आन्दोलन

**Correct Answer :-**

- शास्त्रीय कहानी आन्दोलन

**37) निम्न में से प्रेमचंद की किस कहानी का मुख्य पात्र एक पशु है?**

1. पूस की रात
2. तावान
3. शतरंज के खिलाड़ी
4. बेटों वाली विधवा

**Correct Answer :-**

- पूस की रात

**38) निम्न में से कौन-सी विशेषता आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में नहीं दिखाई पड़ती है?**

1. जिजीविषा
2. सांस्कृतिक तत्व
3. लालित्य भावना
4. राजनीतिक चिंतन

**Correct Answer :-**

- राजनीतिक चिंतन

**39) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन सा छन्द है?**

जो सुमिरत सिधि होइ, गन नायक करिवर बदन ।

करउ अनुग्रह सोइ, बुद्धि ससि सुभ मुन सदन।।

1. सोरठा छन्द
2. गीतिका छन्द
3. उल्लाला छन्द
4. बरवै छन्द

**Correct Answer :-**

- सोरठा छन्द

**40) सहायक सामग्री का जनक माना जाता है -**

1. जॉन्सन
2. मांटेसरी
3. पियाजे
4. फ्रोबेल

**Correct Answer :-**

- फ्रोबेल

**41) किसी पत्र-पत्रिका के संपादक को निम्न में से किस प्रकार का पत्र नहीं लिखा जा सकता है?**

1. स्पष्टीकरण संबंधी पत्र

2. अधिसूचना पत्र
3. सुझाव या शिकायत संबंधी पत्र
4. शिकायती पत्र

**Correct Answer :-**

- अधिसूचना पत्र

**42) बालकों को करके सीखने में आनंद का अनुभव किस सिद्धांत के अंतर्गत होता है?**

1. व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धांत
2. क्रियाशीलता का सिद्धांत
3. समन्वय का सिद्धांत
4. अनुकरण का सिद्धांत

**Correct Answer :-**

- क्रियाशीलता का सिद्धांत

**43) गोरखनाथ के गुरु कौन थे?**

1. कबीर
2. मत्स्येन्द्रनाथ
3. नागार्जुन
4. सरहपा

**Correct Answer :-**

- मत्स्येन्द्रनाथ

**44) 'ग्राफ' नीचे दिए गए विकल्पों में से किसका उदाहरण है -**

1. उपरोक्त सभी
2. केवल श्रव्य सामग्री का
3. केवल दृश्य सामग्री का
4. दृश्य-श्रव्य सामग्री का

**Correct Answer :-**

- केवल दृश्य सामग्री का

**45) 'जहर का घूँट पीना' मुहावरे का अर्थ है -**

1. विरोधी होना।
2. विरोध में बात करना।
3. कड़वी बातें कहना।
4. अपमान सहकर भी चुप रहना।

**Correct Answer :-**

- अपमान सहकर भी चुप रहना।

**46) 'हामिद', प्रेमचंद की किस कहानी का पात्र है?**

1. पूस की रात
2. सच्ची वीरता
3. कफन
4. ईदगाह

**Correct Answer :-**

- ईदगाह

**47) इसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती हैं। अंत में लघु नहीं आता। - उपरोक्त विशेषताएं किस छन्द की है?**

1. चौपाई छन्द
2. पीयूष वर्षा छन्द
3. रोला छन्द
4. ताटक छन्द

**Correct Answer :-**

- चौपाई छन्द

**48) प्रसिद्ध ब्रजभाषा-गद्य ग्रन्थ 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' और 'दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता' के लेखक कौन है?**

1. गोकुलनाथ
2. विठ्ठलनाथ
3. दौलतराम
4. नाभादास

**Correct Answer :-**

- गोकुलनाथ

49) “एक थाल मोति से भरा । सबके सिर पर औंधा धरा ॥

चारों ओर वह थाली फिरे । मोती उससे एक न गिरे ॥” - इस पहेली के लेखक कौन माने जाते हैं?

1. कबीर
2. विद्यापति
3. अमीर खुसरो
4. गोरखनाथ

**Correct Answer :-**

- अमीर खुसरो

50) 'प्रदूषण की समस्या' किस श्रेणी का निबंध है?

1. शैक्षिक
2. आर्थिक
3. समस्या प्रधान
4. सामाजिक

**Correct Answer :-**

- समस्या प्रधान

51) सिद्धों की संख्या कितनी मानी जाती है?

1. इक्यासी
2. चौरासी
3. छप्पन
4. तिरपन

**Correct Answer :-**

- चौरासी

52) सही विकल्प बताएं-

रूप सृष्टि करने वाली शक्ति \_\_\_\_\_ है। जीवन के विविध दृश्यों को सामने प्रस्तुत करना इसी का काम है।

1. कल्पना तत्व
2. अर्थ तत्व
3. बुद्धि तत्व

4. शब्द तत्व

**Correct Answer :-**

- कल्पना तत्व

**53) हिंदी ललित निबंध का समर्पित एवं सर्वश्रेष्ठ हस्ताक्षर किसे कहा जाता है?**

1. विद्यानिवास मिश्र
2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
3. राजा रवि वर्मा
4. जयशंकर प्रसाद

**Correct Answer :-**

- विद्यानिवास मिश्र

**54) हिंदीतर भाषी छात्रों की मातृभाषा को जानना शिक्षक के लिए -**

1. आसान है।
2. सामान्य है।
3. चुनौतीपूर्ण है।
4. विशिष्ट है।

**Correct Answer :-**

- चुनौतीपूर्ण है।

**55) निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?**

ऊँचे घोर मंदर के अन्दर रहन वारी,

ऊँचे घोर मंदर के अन्दर रहाते है

1. श्लेष अलंकार
2. यमक अलंकार
3. रूपक अलंकार
4. उपमा अलंकार

**Correct Answer :-**

- यमक अलंकार

**56)**

इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

संसार में धन के पूजारियों की क्या गति होती है?

1. वे परलोक की यात्रा करते हैं।
2. उनकी प्रतिष्ठा और नाम जग में नहीं रह जाता।
3. उनकी उपासना होती है।
4. उनके स्मारक बनाए जाते हैं।

**Correct Answer :-**

- उनकी प्रतिष्ठा और नाम जग में नहीं रह जाता।

**57)** इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

इस गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

1. जीवन का लक्ष्य
2. रुपये की महत्ता
3. अपना अभिप्राय
4. धन की महत्ता

**Correct Answer :-**

- जीवन का लक्ष्य

**58)** इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की

यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

परिच्छेद के अनुसार हमें क्या करने में अपना समय नहीं बिताना चाहिए ?

1. जीवन समर्पण में
2. रुपये कमाने में
3. प्रतिष्ठा कमाने में
4. उदाहरण ढूँढ़ने में

**Correct Answer :-**

- रुपये कमाने में

**59)** इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

‘धन की पूजा’ से क्या अभिप्राय है?

1. स्वार्थी बनना।
2. स्वर्ग की यात्रा करना।
3. स्मारक बनाना।
4. मनुष्यत्व के लिए जीवन अर्पित करना।

**Correct Answer :-**

- स्वार्थी बनना।

**60)** इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढूँढ़-ढूँढ़ कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम अपने आँखें बिछाए तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिन्ह बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे जिनकी महत्ता हम रुपये से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्था में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अन्त में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

उपर्युक्त परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

संसार में किस प्रकार के मनुष्य की पूजा होती है?



1. जिनके स्मारक चिन्ह बनाए गए।
2. जिन्होंने स्वर्ग की यात्रा की।
3. जिन्होंने अपने जीवन को मनुष्यत्व के लिए अर्पण कर दिया।
4. जिन्होंने मृत्युपर्यंत धन कमाया।

**Correct Answer :-**

- जिन्होंने अपने जीवन को मनुष्यत्व के लिए अर्पण कर दिया।